ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, मंगलवार 04 जून 2024
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 1 अंक 94
पृष्ठ 4

वोटरों ने कराया घुमर 14 भाजपा, 11 कांग्रेस

राजस्थान में भाजपा की हैट्रिक लगाने का सपना टूटा

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

राजस्थान में भाजपा की हैट्रिक लगाने का सपना टूट गया। कांग्रेस ने 10 साल बाद जबरदस्त वापसी की है। राजस्थान के सभी 25 लोकसभा सीटों के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। कांग्रेस गठबंधन ने 11 और भाजपा ने 14 सीटों पर जीत दर्ज की है। उधर, भरतपुर में जीतने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी संजना जाटव ने जमकर डांस किया। इन सीटों पर जीत की घोषणा भाजपा : अजमेर से भागीरथ चौधरी, अलवर से भूपेंद्र यादव, भीलवाड़ा से दामोदर अग्रवाल, बीकानेर से अर्जुन राम मेघवाल, चित्तौड़गढ़ से सीपी जोशी, जयपुर से मंजू शर्मा, जयपुर ग्रामीण से राव राजेंद्र सिंह, जालोर से लुंबाराम, झालावाड़-बारां से दुष्यंत सिंह, जोधपुर से गजेंद्र सिंह शेखावत, कोटा से ओम बिड़ला, पाली से पीपी चौधरी, राजसमंद से महिमा विश्वराज कुमारी, उदयपुर से मन्नाराम रावत।

कांग्रेस गठबंधन : टोंक-सवाई माधोपुर से हरीश चंद्र मीणा (कांग्रेस), सीकर से अमराराम (सीपीआईएम), बांसवाड़ा राजकुमार रोत (कांग्रेस), करौली-धौलपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी भजनलाल जाटव ने भाजपा की इंदूदेवी को हराया है। सीकर सीट से सीपीआई के अमराराम ने भाजपा के सुमेधानंद सरस्वती को शिकस्त दी है। दौसा से कांग्रेस उम्मीदवार मुरारी लाल मीना ने भाजपा के कन्हैयालाल मीना को हराया है।

महिमा कुमारी सबसे ज्यादा वोटों से जीती

जयपुर लोकसभा सीट से मंजू शर्मा 3 लाख 31 हजार 767 वोट, अजमेर से भागीरथ चौधरी 3 लाख 27 हजार 466 वोट, राजसमंद में महिमा विश्वराज कुमारी ने 3 लाख 90 हजार वोट, जयपुर ग्रामीण राव राजेंद्र सिंह ने करीब 1600 वोट से जीत दर्ज की है। कोटा से भाजपा प्रत्याशी ओम बिड़ला ने कांग्रेस प्रत्याशी प्रहलाद गुंजल को शिकस्त दी है। इस चुनाव में महिमा कुमारी सबसे ज्यादा वोटों से जीती हैं।

सीट	जीते	हारे	कितने वोट से
अजमेर	भागीरथ चौधरी, भाजपा	रामचंद्र चौधरी, कांग्रेस	329991
अलवर	भूपेंद्र यादव, भाजपा	ललित यादव, कांग्रेस	47943
बांसवाड़ा	राजकुमार रोत, बीएपी	महेंद्रजीत सिंह मालवीया, भाजपा	246915
बाड़मेर	उम्मेदाराम बेनीवाल, कांग्रेस	रविंद्र सिंह भाटी, निर्दलीय	112524
भरतपुर	संजना जाटव, कांग्रेस	रामस्वरूप कोली, भाजपा	53539
भीलवाड़ा	दामोदर अग्रवाल, भाजपा	डॉ. सीपी जोशी, कांग्रेस	353665
बीकानेर	अर्जुनराम मेघवाल, भाजपा	गोविंदराम मेघवाल, कांग्रेस	54274
चित्तौड़गढ़	सीपी जोशी, भाजपा	उदयलाल आंजना, कांग्रेस	383457
चूरू	राहुल कस्वां, कांग्रेस	देवेंद्र झाझड़िया	71265
दौसा	मुरालीलाल मीणा, कांग्रेस	कन्हैयालाल मीणा, भाजपा	231701
श्रीगंगानगर	कुलदीप इंदोरा, कांग्रेस	प्रियंका बैलान, भाजपा	87799
जयपुर	मंजू शर्मा, भाजपा	प्रताप सिंह खाचरियावास, कांग्रेस	331767
जयपुर ग्रामीण	राव राजेंद्र सिंह, भाजपा	अनिल चोपड़ा, कांग्रेस	5896
जालोर	लुंबाराम चौधरी, भाजपा	वैभव गहलोत, कांग्रेस	201543
झालावाड़-बारां	दुष्यंत सिंह, भाजपा	उर्मिला जैन, कांग्रेस	369508
झुंझुनूं	बृजेंद्र ओला, कांग्रेस	शुभकरण चौधरी, भाजपा	17534
जोधपुर	गजेंद्र शेखावत, भाजपा	करण सिंह, कांग्रेस	113435
करौली-धौलपुर	भजनलाल जाटव, कांग्रेस	इंदुदेवी, भाजपा	98264
कोटा	ओम बिरला, भाजपा	प्रहलाद गुंजल, कांग्रेस	38958
नागौर	हनुमान बेनीवाल, आरएलपी	ज्योति मिर्धा, भाजपा	41156
पाली	पीपी चौधरी, भाजपा	संगीता बेनीवाल, कांग्रेस	244123
राजसमंद	महिमा कुमारी, भाजपा	दामोदर गुर्जर, कांग्रेस	392223
सीकर	अमराराम, सीपीएम	सुमेधानंद सरस्वती, भाजपा	70819
टोंक-सवाई माधोपुर	हरीशचंद्र मीणा, कांग्रेस	सुखबीर जौनापुरिया, भाजपा	64949
उदयपुर	मन्नालाल रावत, भाजपा	ताराचंद मीणा, कांग्रेस	259590

बाकी सीटों पर खबर लिखें जाने तक जीत की औपचारिक घोषणा बाकी थी ।

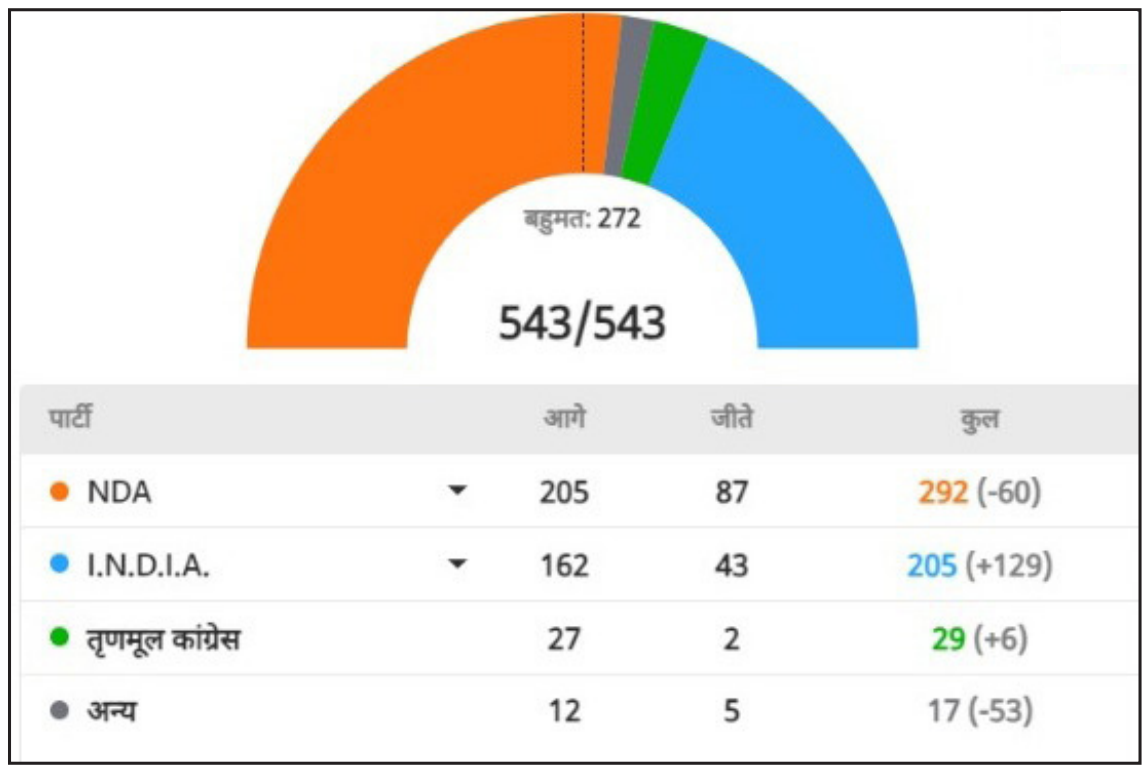

पार्टी	आगे	जीते	कुल
NDA	205	87	292 (-60)
I.N.D.I.A.	162	43	205 (+129)
तृणमूल कांग्रेस	27	2	29 (+6)
अन्य	12	5	17 (-53)

अजमेर लोकसभा चुनाव सीट से भागीरथ चौधरी ने कांग्रेस के रामचन्द्र चौधरी को हराया। उनको 7 लाख 41 हजार 151 मत मिले। कांग्रेस के रामचंद्र चौधरी दूसरे नंबर पर रहे और उनको 4 लाख 13 हजार 685 मत मिले। भागीरथ चौधरी पिछली बार 4 लाख 16 हजार 424 वोट से जीते थे। इस बार ये जीत का अन्तर कम रहा। जयपुर ग्रामीण से राव राजेंद्र सिंह ने कांग्रेस के अनिल चोपड़ा को हराया है।

जयपुर ग्रामीण सीट के रिजल्ट पर विवाद,

कांग्रेस ने रीकाउंटिंग की मांग की

राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने सोशल मीडिया 'X' पर लिखा है- जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में हुए कांटे के मुकाबले में प्रशासन का रवैया सवाल खड़े करता है। इसकी शिकायत निर्वाचन आयोग को प्रत्याशी एवं पार्टी द्वारा की जा रही है। मैं चुनाव आयोग से मांग करता हूं कि इस सीट पर पारदर्शिता के साथ पुनः काउंटिंग कराई जाए।

यह रहा दिग्गज राजनेताओं का परिणाम

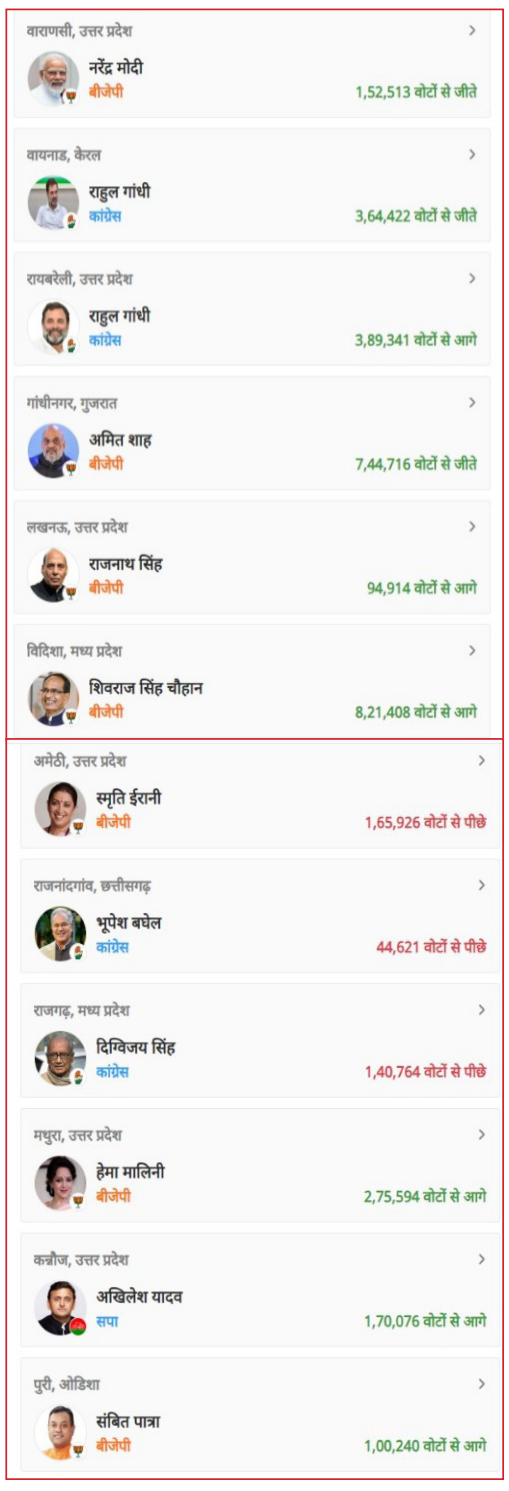

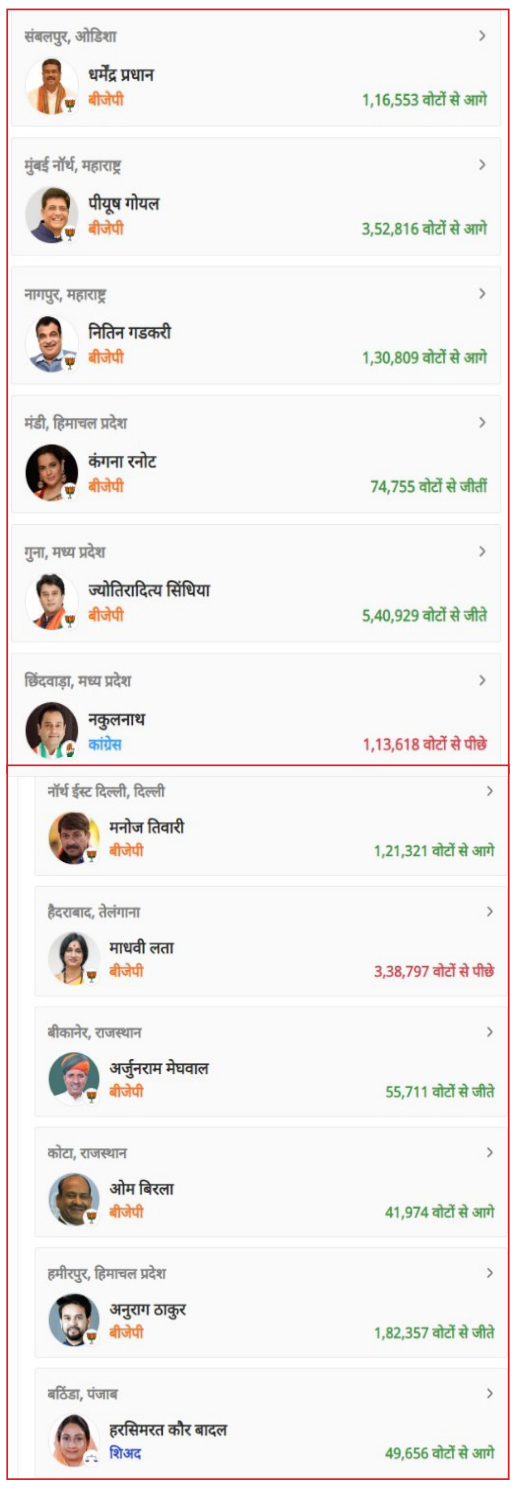

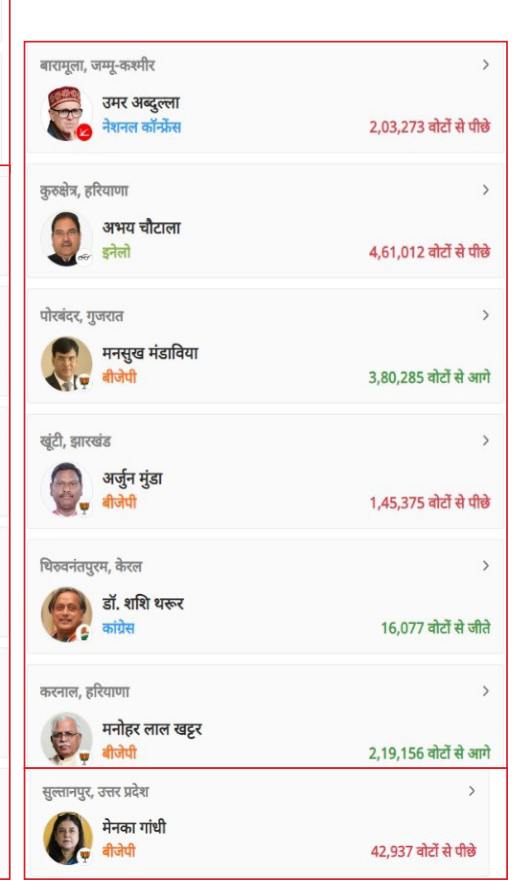

संपादकीयः हिंसा का चुनाव

निर्वाचन आयोग के समक्ष स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के अलावा चुनावी हिंसा पर लगाम लगाना भी बड़ी चुनौती होती है। इसी के मद्देनजर वह मतदान की तारीखों का निर्धारण और सुरक्षाबलों की तैनाती करता है। चुनावी हिस्स की दृष्टि से पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश सबसे अधिक संवेदनशील माने जाते है। इनमें पश्चिम चंगाल में हिंसा की आशंका सबसे अधिक रहती है। वहां शायद ही कोई ऐसा चुनाव हो, जब हिंसा और उपद्रव न होता हो। हालांकि इस बार दूसरे चुनावों की तुलना में कहा जा सकता है कि हिंसा कम हुई, पर कोई ऐसा चरण नहीं गुजरा, जिसमें राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें न हुई हों। सातवें और अंतिम चरण के मतदान की रात नदिया जिले में एक भाजपा कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई, जिसे लेकर वहां तनाव पैदा हो गया। आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस के लोगों ने उसकी हत्या की। तृणमूल का कहना है कि पारिवारिक रंजिश के चलते वह हत्या हुई। इसी तरह बिहार के नालंदा में एक जद (एकी) कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई। बताया जाता है कि वह कार्यकर्ता सातवें चरण के दौरान एक मतदान केंद्र पर एजंट था। जद (एकी) का कहना है कि राष्ट्रीय जनता दल और माकपा कार्यकर्ताओं ने अपनी हार की बौखलाहट में वह हत्या कर दी। चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच उत्तेजना और परस्पर टकराव कोई अनहोनी बात नहीं। वैचारिक टकराव जीत के जुनून में अक्सर हिंसा का रूप ले लेते हैं। इसके पीछे निस्संदेह राजनीतिक दलों के प्रचारकों का भी बढ़ा हाथ होता है। वे मंचों से जिस तरह के उत्तेजक भाषण देते हैं, उससे कार्यकर्ताओं का आवेशित होना स्वाभाविक है। इसी आवेश में वे अपने नेता और राजनीतिक दल के लिए मर मिटने को तैयार नजर आने लगते हैं। यह भी छिपी बात नहीं कि राजनीतिक दल अब धनचल के साथ-साथ बाहुबल को भी प्रश्रय देने लगे हैं। कई राजनीतिक दल बाहें फैला कर बाहुचली नेताओं का स्वागत करते देखे जाते हैं। बेशक कुछ नेता सार्वजनिक मंचों से अपने कार्यकर्ताओं को संयम से काम लेने की नसीहत देते है, पर सच्चाई यही है कि कोई भी अपने उपद्रवी कार्यकर्ताओं के खिलाफ कठोर कदम नहीं उठाता। पश्चिम बंगाल में तो खुलेआम राजनीतिक दल अपने कार्यकर्ताओं की उपद्रवी गतिविधियों को संरक्षण देते देखे जाते हैं। ऐसे में वहां हिंसा का वातावरण सदा बना रहता है। न केवल चुनाव के दौरान, बल्कि चुनाव के चाद भी। विधानसभा और पंचायत चुनावों के दौरान यह कुछ बढ़ जाता है। दरअसल, उन्हीं जगहों पर चुनावी हिंसा अधिक होती है, जहां राजनीतिक कार्यकर्ताओं में वैचारिक के बजाय निजी स्वाथों का संघर्ष अधिक होता है। पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश में राजनीतिक कार्यकर्ता किसी न किसी लाभ के लोभ में राजनेताओं से जुड़े रहते हैं। अगर सत्तापक्ष के राजनेता होते हैं, ती वे अपने कार्यकर्ताओं को किसी काम का ठेका, किसी योजना के संचालन में हिस्सेदारी, अनुदान वगैरह देकर उन्हें उपकृत करते रहते हैं। पश्चिम बंगाल और बिहार में यह कुछ अधिक देखा जाता है। इसलिए हर कार्यकर्ता अपने नेता के लिए संघर्ष करता देखा जाता है। राजनीतिक दल अपना जनाधार कार्यकर्ताओं के बल पर ही बढ़ा पाते हैं। मगर उन्हें वैचारिक स्तर पर ही संबंधित किया जाए, तभी लोकतंत्र के मायने रहते हैं, उन्हें स्वार्थ से जोड़ कर हिंसा में झोंक देना किसी भी रूप में उचित नहीं कहा जा सकता।

पानी का प्रबंध

पानी की किल्लत हर जगह नजर आने लगती है। जलवायु परिवर्तन की वजह से पारंपरिक जल स्रोतों के सूखते जाने से यह संकट हर ग वर्ष कुछ बढ़ा हुआ दर्ज होने लगा है। खासकर महानगरों में पानी की समस्या गर्मी का मौसम शुरू होते ही बढ़ जाती है। दिल्ली भी इससे अछूती नहीं है। हर गर्मी में हरियाणा के साथ उसकी ठन जाती है कि हरियाण समझौते के अनुसार उसके हिस्से का पानी नहीं छोड़ता। इस बार भी मामला अदालत तक पहुंच गया है। पिछले हफ्ते दिल्ली सरकार ने पानी की बर्बादी रोकने के मकसद से व्यर्थ पानी बहाने वालों पर दो हजार रुपए जुर्माना लगाने का ऐलान किया। इसके लिए जल बोर्ड को दो सौ निगरानी दल गठित करने को कहा गया। पानी के बंटवारे पर अदालत का फैसला जो भी आए, पर हर वर्ष की इस स्थायी बन चुकी समस्या के मद्देनजर यह जरूरत सदा रेखांकित होती रही है कि अगर ठीक से पानी का प्रबंधन हो, तो इस समस्या से काफी हद तक पार पाया जा सकता है।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पानी के मसले पर केवल सरकार की नाकामियां गिनाने और उसके मत्थे दोष मढ़ कर अपनी जिम्मेदारियों से मुक्ति पा लेने की कोशिशों से काम नहीं चलेगा। इसमें नागरिक दायित्व निर्वहन की भी जरूरत है। जब तक लोग खुद अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे कि बेवजह पानी बहाना कोई शान की बात नहीं, तब तक डंडे के जोर पर उन्हें नहीं रोका जा सकता। मगर इसका अर्थ यह भी नहीं कि इससे जल बोर्ड की जिम्मेदारियां समाप्त हो जाती हैं। जगह-जगह पाइपों के फटने से दिन भर पानी बहता रहता है। महीनों उनकी मरम्मत नहीं हो पाती। फिर, वर्षों पहले वर्षा जल संचय के लिए दिल्ली में जलाशय बनाने की जो योजना पेश की गई थी, उस पर अपेक्षित काम नहीं हो पाया है। संगठनों के सहयोग से जल संकट से पार पाने के उपायों पर कारगर कदम उठाए जा सकते हैं। हालांकि जल बंटवारे को लेकर जिस तरह अनेक राज्यों के बीच अक्सर विवाद खड़े हो जाते हैं, उसके लिए भी व्यावहारिक कदम की अपेक्षा बनी हुई है।

मिल गया सर्टिफिकेट...भाजपा के मन्नालाल ने पूर्व कलेक्टर को हराया, 2 लाख 59 हजार वोटों से जीते रावत, उदयपुर सीट पर भाजपा की हैट्रिक

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में भाजपा के मन्नालाल रावत ने कांग्रेस के ताराचंद मीणा को करीब 2.59 लाख वोटों से मात दी हैं। रावत पहले चरण से ही आगे चल रहे थे। मन्नालाल रावत को जीत की घोषणा होते ही भाजपाइयों ने मालाओं से लाद दिया व बधाइयों का तांता लग गया। उन्हें बधाई देने का दौर जारी रहा। इस सीट पर पूर्व कलेक्टर और कांग्रेस प्रत्याशी ताराचंद मीणा से परिवहन विभाग में अधिकारी रहे मन्नालाल के बीच मुकाबला हुआ।

जो राम को लाए हैं... मंदिर को लेकर नहीं चला योगी-मोदी का एक भी पैंतरा! अयोध्या में ही हार गई भाजपा

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

अयोध्याः साल 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे आने लगे हैं। रुझानों में एनडीए को बहुमत तो मिल रहा है लेकिन अबकी बार 400 पार का नारा देने वाली भाजपा को इस बार पूर्ण बहुमत मिलता दिखाई नहीं दे रहा है। रुझानों को देखकर ऐसा लग रहा है कि भाजपा को अपने सबसे ज्यादा प्रत्याशित मुद्दा राम मंदिर को लेकर भी वोट नहीं मिले। भाजपा ने इसे लेकर खूब माहौल बनाया था। चुनावी भाषणों में राम मंदिर का जिक्र करके भाजपा ने इसका सियासी लाभ लेने की कोशिश की लेकिन उत्तर प्रदेश में भगवा पार्टी की हालत ऐसी है कि लगता है जैसे ये मुद्दा बैकफायर कर गया है। योगी आदित्यनाथ का विपक्षी दलों के नेताओं को 'रामद्रोही' करार देना भी काम नहीं आया। अब हालत ये हो गई कि राम राजनीति की राजधानी कही जाने वाले अयोध्या में ही भाजपा को बड़ी हार मिली है।

फैजाबाद लोकसभा सीट से भाजपा के लल्लू सिंह को सपा के अवधेश प्रसाद ने हरा दिया है। यह वही फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र है, जिसके अंतर्गत अयोध्या आती है। अयोध्या में इस साल के शुरुआत में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई थी। नरेंद्र मोदी ने खुद मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की थी। इस कार्यक्रम को लेकर काफी सियासी विवाद भी हुआ था। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया था कि भाजपा लोकसभा चुनाव में फायदा उठाने के लिए अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा करा रही है। विपक्षी दलों ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को बीजेपी का अपना इवेंट बताकर इससे किनारा कर लिया था।

चित्तौड़गढ़ सीट पर भाजपा के सीपी जोशी की जीतःकांग्रेस प्रत्याशी उदयलाल आंजना को 3 लाख 89 हजार 877 वोटों से हराया

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

चित्तौड़गढ़. चित्तौड़गढ़ लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी और प्रदेशाध्यक्ष सीपी की जीत हुई है। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी उदयलाल आंजना को 3 लाख 89 हजार 877 वोटों से हराया। इस जीत के साथ ही क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई।

मावली में हुई सबसे कम राउंड की काउटिंग लोकसभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ की 8 विधान सभाओं पर 169 राउंड में काउंटिंग हुई। बेगूं में सर्वाधिक बूथ पर सबसे ज्यादा 23 राउंड हुए। कपासन, निंबाहेड़ा और बड़ीसादड़ी में 22-22, वल्लभनगर में 21, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ में 20-20 और सबसे कम मावली में 19 राउंड की काउंटिंग हुई। अंत में बेगूं का 23वां राउंड खत्म होने के बाद रिजल्ट जारी किया गया। चित्तौड़गढ़ लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी और प्रदेशाध्यक्ष सीपी की जीत हुई है। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी उदयलाल आंजना को 3 लाख 89 हजार 877 वोटों से हराया। इस जीत के साथ ही क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं में

खुशी की लहर दौड़ गई।

काउंटिंग पूरे होने के बाद बीजेपी प्रत्याशी सीपी जोशी के विधानसभा वार लीड के आंकड़े

चित्तौड़गढ़ विधानसभा से 36426
बेगूं विधानसभा से 45559
निंबाहेड़ा विधानसभा से 23240
प्रतापगढ़ विधानसभा से 51158
मावली विधानसभा से 74090
वल्लभनगर विधानसभा से 67087
कपासन विधानसभा से 37057
बड़ी सादड़ी विधानसभा से 52540

अर्जुन मीणा से खास बातचीत रावत को दी बधाई, कहा-सतत रहेगी विकास की प्रक्रिया, अभी अहमदाबाद में स्वास्थ्य लाभ ले रहा हूं

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। अर्जुनलाल मीणा ने 24 न्यूज अपडेट से बात करते हुए कहा कि डाक्टर मन्नालाल रावत को भारी मतों से जीतने पर हार्दिक बधाई। जनता से कहना चाहता हूं कि तीसरी बार भी नरेंद्र मोदी पीएम बनने जा रहे हैं। दस साल से भाजपा की कल्याणकारी योजनाओं पर जनता ने मुहर लगाई है। विकास एक सतत प्रकिया है। नए काम आते रहते हैं व करने पडते हैं। कई ऐसे काम हैं जो हुए हैं। कुछ नहीं हुए होंगे जिनको रावत पूरा करेंगे। जिसमें ब्रॉडगेज, सिक्सलेन हाईवे स्मार्ट सिटी आदि में काम और होंगे। सरकारें आती रहेंगी। अभी मैं स्वास्थ्य लाभ ले रहा हूं, उसके बाद का जो पार्टी और समय बताएगा उस पर ध्यान देंगे। आपको बता दें कि किंडनी संबंधी समस्या के चलते पूर्व सांसद अर्जुनलाल मीणा इन दिनों अहमदाबाद में एक निजी अस्पताल में उपचार करवा रहे हैं व लंबे समय से वे स्वास्थ्य संबंधी पीडा को झेलते हुए उपचार करवा रहे है। मीणा ने बताया कि आज सुबह से ही वे नतीजो पर नजर रखे हुए थे व अस्पताल में ही टीवी पर नतीजे देख रहे थे। तीसरी बार मोदी सरकार बनने की उनको बहुत खुशी है।

बाप रे बाप..... बाप प्रत्याशी प्रकाशचंद से खास बातचीत, बोले- कांग्रेस भरोसा करती तो हम उदयपुर सीट भी जीत कर बताते

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। उदयपुर सीट पर आज मतगणना के दौरान सबकी निगाहे बाप पार्टी के प्रत्याशी प्रकाशचंद पर रही। एक अनजान सा चेहरा आखिर इतने वोट कैसे लेकर आ गया। ना तो मीडिया उसके साथ था ना ही सोशल मीडिया। उन्हें आज की काउंटिंग का मैन ऑफ द मैच भी कहा जा सकता है। आखिर प्रकाशजी ने प्रचार कैसे किया। कैसे लोगों तक बीएपी की विचारधारा पहुंचाई। बीएपी की क्या विचारधारा है। वो कैन 2 लाख 7 हजार लोग हैं जिन्होंने भाजपा और कांग्रेस जैसे दलों की जगह बीएपी पर विश्वास जताया। उसके साथ खडे रहे। इस बारे में हमने बात की प्रत्याशी प्रकाशचद से। प्रकाशचंदजी ने बताया कि ये जो लोग हैं वो विचारधारा से जुड़े हुए हैं। इन्होंने लोकल कैंडिडेट पर भरोसा किया हैं। जहां तक गठबंधन की बात है कि अगर हमारा कांग्रेस से गठबंधन हो जाता तो हम सीट निकाल लेते। मैं पूरे पांच साल मेहनत करूंगा, लोकसभा क्षेत्र की जनता का साथ दूंगा। जिन्होंने वोट दिया उनका विशेष धन्यवाद, जिन्होंने नहीं दिया उनका भी धन्यवाद। मुझे मिले वोटों से साफ है कि दोनों प्रमुख दलों से जनता तंग आ चुकी है व प्रकृतिवादी व जल-जंगल जमीन से जुड़ी पार्टी को अपनाना चाहती है।

ड्यूटी कर घर जा रहे तहसील कर्मचारी को बदमाशों ने मारे चाकू हुई मौत

24 न्यूज अपडेट

सलूंबर जिले के सेमारी थाना क्षेत्र में ऋषभदेव रोड पर बांध के निकट तहसील से ड्यूटी कर घर जा रहे सूचना सहायक को बाइक पर सवार होकर आए तीन बदमाशों ने रोककर मारपीट करते हुए पेट के दाहिने और फेफड़ों के पास चाकू मार दिया । और बदमाश बेग मोबाइल व अन्य सामग्री लेकर फरार हो गए । जिससे बाद वहां से गुजर रहे राहगीरों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमारी पहुंचाया जहां घाव गहरे होने से डॉक्टर ने उसे उदयपुर रेफर किया । जहां उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया । जानकारी के अनुसार राहुल पुत्र चेतन लाल मीणा निवासी भोपाफला सदकडी सेमारी तहसील कार्यालय में अपनी ड्यूटी करने के बाद शाम 5 बजे घर के लिए निकला था और बदमाशों ने इस घटनाक्रम को अंजाम दिया । थाना अधिकारी गजवीर सिंह ने बताया कि परिजनों के लिखित रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया है साथ ही मृतक का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है । जल्द से जल्द मामले का खुलासा किया जाएगा ।

ओडिशा में 24 साल का पटनायक राज खत्मःबीजेपी 80 सीटों पर आगे; आंध्र में NDA सरकार बन रही, गठबंधन को 165 सीटें

24 न्यूज अपडेट

भुवनेश्वर/अमरावती. लोकसभा चुनाव के साथ ओडिशा और आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव की काउंटिंग जारी है।

ओडिशा में 24 साल से सत्ता में काबिज नवीन पटनायक के हाथ से सत्ता खिसक गई है। अब तक के रुझान में BJP 147 में से 80 सीटों पर आगे चल रही है। एग्जिट पोल में BJD और BJP में कांटे का मुकाबला बताया गया था। पोल में नवीन पटनायक की BJD और भाजपा दोनों को 62-80 सीटें मिलने का अनुमान जताया था। वहीं, आंध्र प्रदेश में NDA (भाजपा, TDP और जन सेना पार्टी) सरकार बनाता दिख रहा है। TDP 136 सीटों पर आगे है। मौजूदा CM जगन मोहन रेड्डी की YSRCP को खासा नुकसान हो रहा है। एग्जिट पोल में भी इस बार सत्ता बदलने का अनुमान जताया गया था। 5 एग्जिट पोल में NDA तो दो में सत्तारूढ़ YSRCP की सरकार बनती दिखाई थी।

आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (YSRCP) के जगन मोहन रेड्डी 2019 से सत्ता में हैं। जगन मोहन ने पिछली बार 175 में से 151 सीटों पर एकतरफा जीत दर्ज की थी। राज्य में भाजपा ने चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (TDP) और एक्टर पवन कल्याण की जन सेना पार्टी (JSP) के साथ गठबंधन किया है। वहीं, ओडिशा में नवीन पटनायक 24 साल (मार्च 2000) से मुख्यमंत्री हैं। ओडिशा में भाजपा ने फिलहाल किसी को मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं बनाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा।

अंडरकरंट से शेयर बाजार को झटका : शेयर बाजार 7 प्रतिशत टूटा, निवेशकों के 38 लाख करोड़ डूबे, कोरोना के बाद सबसे बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 5500 अंक नीचे आया

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. मुंबई। लोकसभा चुनाव के नतीजों के रुझानों से आज में आज जो अंडर करंट सामने आया उससे सेंसेक्स करीब 5500 अंकों की गिरावट के साथ 72,000 से नीचे कारोबार कर रहा है। वहीं, निफ्टी में भी करीब 1900 अंकों की गिरावट है, ये 21,370 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। 23 मार्च 2020 के बाद ये बाजार की सबसे बड़ी गिरावट है। तब कोरोना के कारण बाजार 13.15 प्रतिशत टूटा था। 22 मार्च को सेंसेक्स 29,915 के स्तर पर था जो 23 मार्च को 3934 अंक गिरकर 25,981 के स्तर पर आ गया था। SBI, NTPC, पावर ग्रिड के शेयर 12% से ज्यादा नीचे सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 में गिरावट और 6 शेयरों में तेजी है। SBI, NTPC, पावर ग्रिड के शेयर 12% से ज्यादा नीचे है। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में करीब 5% की तेजी है।

PSU बैंक इंडेक्स 13% और ऑयल एंड गैस 10% टूट

NSE के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में गिरावट है। निफ्टी PSU बैंक इंडेक्स 13% से ज्यादा टूटा है। ऑयल एंड गैस इंडेक्स में करीब 10% की गिरावट है। निफ्टी मेटल में 9% और रियल्टी में 4% से ज्यादा की गिरावट है। ऑटो सेक्टर भी 3% से ज्यादा नीचे है। रुझानों में NDA और I.N.D.I.A. के बीच टक्कर इसलिए बाजार गिरा लोकसभा की 542 सीटों की काउंटिंग शुरू हो गई है। शुरुआती रुझान में NDA 284, I.N.D.I.A. 222 सीटों पर आगे चल रहा है। बाजार को अनुमान था कि NDA भारी बहुमत से आएगी, लेकिन अभी रुझानों में टक्कर देखने को मिल रही है।

नासिक में एयरफोर्स का सुखोई फाइटर जेट क्रैश, खेत में गिरा विमान, दोनों पायलट सुरक्षित

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट नेशनल डेस्क। नासिक में वायुसेना का लड़ाकू विमान सुखोई मंगलवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ओवरहॉलिंग के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के पास था। नासिक रेंज के विशेष महानिरीक्षक डीआर कराले ने बताया कि सुखोई विमान के पायलट और को-पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। विमान शिरसगांव के पास एक खेत में गिरा। दुर्घटना का कारण तकनीकी खराबी बताई जा रही हैं।

एग्जिट पोल हुआ फेल... शो के बीच में ही रोने लगे एक्सिस माय इंडिया के सीईए प्रदीप गुप्ता

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली : लोकसभा चुनाव में एग्जिट पोल पूरी तरह फेल हो चुका है। लोकसभा चुनाव के नतीजों ने एग्जिट पोल को नकार दिया। लगभग सभी एग्जिट पोल में बीजेपी के 350 से अधिक सीट की भविष्यवाणी की गई थी। असल नतीजों में बीजेपी अपने दम पर बहुमत पाती भी नहीं दिख रही है। एग्जिट पोल करने वाली एजेंसी एक्सिस माय इंडिया के एमडी प्रदीप गुप्ता ने बीजेपी के 400 से अधिक सीट जीतने की भविष्यवाणी की थी। चुनाव परिणाम आने के दौरान शो के बीच में प्रदीप गुप्ता रोने लगे। प्रदीप गुप्ता लाइव शो में बता रहे थे कि एग्जिट पोल में कहां गलती हुई। उन्होंने गलत अनुमान के लिए माफी मांगी लेकिन अंत में रो पड़े।

सोशल मीडिया पर भी हुई खिंचाई

इससे पहले एग्जिट पोल को लेकर प्रदीप गुप्ता की सोशल मीडिया भी खूब खिंचाई हुई थी। रिजल्ट से एक दिन पहले ही प्रदीप ने कहा था कि हमारे 69 में 65 एग्जिट पोल करेक्ट हुए हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक्जिट पोल को 'मोदी मीडिया पोल' और 'फैंटेसी पोल' बताए जाने पर भी चुटकी ली थी। प्रदीप गुप्ता ने कहा था कि यह अंगूर खट्टे हैं जैसी बात है।

राहुल ब्रांड के तौर पर नजर नहीं आते प्रदीप गुप्ता ने कहा था कि 'राहुल गांधी या कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के लिए चुनाव लड़ा है। क्षेत्रीय पार्टियों ने अलग-अलग क्षेत्रों में चुनाव लड़ा है जैसे तमिलनाडु, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड में चुनाव वहां की क्षेत्रीय पार्टियों ने लड़ा है। राहुल गांधी ब्रांड के तौर पर तो नजर नहीं आते, कांग्रेस की जहां सरकार है कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश में वहां पर कांग्रेस के मतदाता राहुल गांधी के नाम पर वोट नहीं देते हैं, बल्कि वहां की कांग्रेस सरकार सुविधाओं और व्यवस्थाओं के आधार पर वोट मांगती है और स्थानीय लोग इसी पर वोट देते हैं। क्या था एक्सिस माय इंडिया के सर्वे में एक्सिस माइ इंडिया' के एग्जिट पोल में एनडीए को 361-401 सीट मिलने की बात कही गई थी। गुप्ता के एग्जिट पोल का अनुमान था कि 'इंडिया' गठबंधन को 131-166 सीट से संतोष करना पड़ेगा। जब चुनाव नतीजों आए तो तस्वीर बिल्कुल उल्टी थी। बीजेपी अपने दम पर बहुमत के आंकड़े से दूर नजर आ रही है।

मोदी सरकार के वो मंत्री, जो अपनी सीट तक न बचा पाए, कुछ तो एक लाख वोटों से हारे

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्लीः लोकसभा चुनाव-2024 के नतीजे सामने आ चुके हैं। अब तक के रुझानों में बीजेपी को भारी नुकसान और इंडिया गठबंधन को मुनाफा होता दिख रहा है। आंकड़ों में एनडीए गठबंधन भले ही बहुमत का आंकड़ा पार कर चुका है, लेकिन बीजेपी अपने दम पर बहुमत से दूर दिख रही है। बीजेपी के कई बड़े नेता और केंद्रीय मंत्री भी हारते दिख रहे हैं। इसमें कुछ कैबिनेट मंत्री भी शामिल हैं। हम मोदी सरकार के उन मंत्रियों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें लोकसभा चुनाव में बड़ा झटका मिला है। कुछ नेता को बड़े मार्जिन से पीछे चल रहे हैं।

1. **स्मृति ईरानी**- केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को लोकसभा चुनाव में हार मिली है। अब तक के रुझानों में यूपी की अमेठी से कांग्रेस के किशोरी लाल शर्मा भारी मतों से आगे चल रहे हैं। इस सीट पर स्मृति ईरानी 1 लाख 39 लाख से ज्यादा वोटों से पीछे चल रही हैं। ऐसे में अब उनके जीतने के आसार न के बराबर हैं। चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार, किशोरी लाल शर्मा को 468141 वोट मिले हैं। वहीं बीजेपी की स्मृति ईरानी को 328691 वोट मिले। वो फिलहाल 139450 वोटों से पीछे चल रही हैं।

2. **अर्जुन मुंडा**-बीजेपी के दिग्गज नेता और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के लिए भी लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ रहा है। चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार अर्जुन मुंडा 1 लाख से ज्यादा वोटों से पीछे चल रहे हैं। कांग्रेस उम्मीदवार और झारखंड के सबसे प्रभावशाली आदिवासी नेताओं में से एक मुचिराई मुंडा के बेटे काली चरण मुंडा को 463219 वोट मिले हैं। वहीं बीजेपी के अर्जुन मुंडा को 334878 वोट मिले। फिलहाल अर्जुन मुंडा कुल 128341 वोटों से पीछे चल रहे हैं।

3. **राजीव चंद्रशेखर**- केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के दिग्गज नेता राजीव चंद्रशेखर के हाथ भी हार नसीब होती दिख रही है। बीजेपी ने उन्हें केरल के तिरूवनन्तपुरम सीट से उम्मीदवार बनाया था। यहां उनका मुकाबला कांग्रेस के दिग्गज नेता शशि थरूर के साथ हुआ। अभी तक के रुझानों में कांग्रेस के शशि थरूर चौथी बार यहां से जीतते दिख रहे हैं। थरूर को कुल 353679 वोट मिले हैं, वहीं बीजेपी के राजीव चंद्रशेखर को 337920 वोट मिले। फिलहाल चंद्रशेखर 15759 वोटों से पीछे चल रहे हैं।

4. **कैलाश चौधरी**-मोदी सरकार के मंत्री कैलाश चौधरी को भी राजस्थान के बाड़मेर में हार का मुंह देखना पड़ा है। इस सीट पर उन्हें कांग्रेस के उम्मीदवार उम्मेदराम बेनीवाल ने हराया है। कांग्रेस उम्मीदवार को 697447 वोट मिले हैं। वहीं दूसरे नंबर पर निर्दलीय उम्मीदवार रविंद्र सिंह भाटी को कुल 575927 वोट मिले हैं। केंद्रीय मंत्री उम्मेदराम बेनीवाल तीसरे नंबर पर रहे, जिन्हें कुल 284077 वोट मिले। वो 413370 वोटों से पीछे रहे।

पहली ही परीक्षा में सीएम मोहन यादव को 100 फीसदी मार्क्स, कमलनाथ का किला भी ढहा

24 न्यूज अपडेट

भोपालः विधानसभा चुनाव में मिली प्रचंड जीत के बाद बीजेपी नेतृत्व ने मध्य प्रदेश की कमान मोहन यादव को सौंप दी थी। सत्ता संभालने के बाद डॉ मोहन यादव के सामने सबसे बड़ी चुनौती लोकसभा चुनाव को लेकर थी। मुख्यमंत्री के पद ग्रहण करने के बाद सीएम मोहन यादव ने कई अहम फैसले लिए। इस दौरान वह लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गए। वह पूरे मध्य प्रदेश में सभी जगहों पर चुनावी रैलियां कर रहे थे। साथ ही दावा कर रहे थे कि हम मध्य प्रदेश की सभी सीटें जीतेंगे। लोकसभा चुनाव के रिजल्ट आने के बाद उनका दावा सही निकला है। मध्य प्रदेश की सभी 29 सीटें बीजेपी जीत रही है। 100 प्रतिशत है सीएम स्ट्राइक का रेट मध्य प्रदेश में बीजेपी कभी भी 29 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल नहीं की है। मोहन यादव के कमान संभालने के बाद पहली बार मध्य प्रदेश में बीजेपी को 29 सीटों पर जीत मिली है। ऐसा मोहन यादव के नेतृत्व में ही पहली बार हुआ है। मध्य प्रदेश में कमलनाथ का अभेद किला छिंदवाड़ा भी ढह गया है। एक उपचुनाव को छोड़ दीजिए तो इतिहास में पहली बार बीजेपी छिंदवाड़ा लोकसभा सीट जीतने जा रही है। छिंदवाड़ा की जीत के बाद मध्य प्रदेश में सीएम मोहन यादव 100 फीसदी मार्क्स से पास कर गए हैं।

खास विश्लेषण : डूंगरपुर-बांसवाड़ा की महिलाओं ने खारिज किया मोदी का मंगलसूत्र और घुसपैठियों वाला बयान, राजकुमार पर लुटाए वोट, काम नहीं आई संघ की बिसात

24 न्यूज अपडेट

सुशील जैन

24 न्यूज अपडेट. बांसवाड़ा। कहते हैं कि जुबां से निकला हुआ शब्द कभी वापस नहीं आ सकता, बस उसका असर ही मापा जा सकता है। अपने वाक चातुर्य के लिए दुनिया में मशहूर पीएम नरेन्द्र मोदी मावजी महाराज की धरती बांसवाड़ा में अपने एक बयान से मात खा गए। एक महीने पहले मोदीजी ने चुनावी सभा में कहा था कि - कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में कहा है यदि देश में कांग्रेस की सरकार बनेगी तो हरेक की प्रॉपर्टी का सर्वे किया जाएगा। हमारी बहनों के पास सोना कितना है, मंगलसूत्र कितने हैं, उसकी जांच की जाएगी, उसका हिसाब लगाया जाएगा। आपकी मेहनत की कमाई का पैसा घुसपैठियों को दिया जाएगा।' अगर कांग्रेस की सरकार बनेगी तो हरेक की प्रॉपर्टी का सर्वे किया जाएगा। हमारी बहनों के पास सोना कितना है, इसकी जांच की जाएंगी। चांदी का हिसाब लगाया जाएगा। ये गोल्ड है, बहनों का और जो संपत्ति है वो सबको समान रूप से वितरित कर दी जाएगी। क्या आपकी संपत्ति को सरकार को हैक करने का अधिकार है क्या। क्या आपकी मेहनत करके कमाई गई संपत्ति को सरकार को ऐंठने का अधिकार है। मेरी माताओं-बहनों की जिंदगी में सोना सिर्फ शो करने के लिए नहीं होता है। उसके स्वाभिमान से जुड़ा हुआ है। उसका मंगलसूत्र सोने की कीमत का मुद्दा नहीं है, उसके जीवन के सपनों से जुड़ा है, उसे छीनने की बात कर रहे हो अपने घोषणा-पत्र में। गोल्ड ले लेंगे, सबको वितरित कर देंगे। पहले जब उनकी सरकार थी, तब उन्होंने कहा था देश की संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। इसका मतलब ये संपत्ति इकट्ठी करके किसको बांटेंगे, जिनके ज्यादा बच्चे हैं, उनको बांटेंगे, घुसपैठियों को बांटेंगे। क्या आपकी मेहनत की कमाई का पैसा घुसपैठियों को दिया जाएगा। आपको मंजूर है ये। अब आज एक महीने बाद पीएम मोदी का यह बयान वागड़ में भाजपा की करारी हार के बाद उनका पीछा करता नजर आ रहा है। बीटीपी और कांग्रेस की ओर से कहा जा रहा है कि उनके इन बयानों की वजह से ही वागड़ में भाजपा की हार हुई। वागड़ की बहनों पर उनके इस बयान का कोई असर नहीं हुआ क्योंकि उनका मानना था कि किसी के बयान से मंगलसूत्र खतरे में नहीं आ सकता। उन्होंने कांग्रेस के समर्थित प्रत्याशी बाप पार्टी के राजकुमार रोत को जिताने के लिए भरपूर वोट दिए। बांसवाडा एक ट्रिगर प्वाइंट था धुरवीकरण की राजनीति का मगर इस बार भाजपा का यह दांव उल्टा पड. गया। यह दांव भाजपा ने आदिवासी वोटों को हिन्दुत्व के छाते के तले लाने के लिए किया था मगर छाता काम नहीं आया। यहां तक कि आरएसएस की बिछाई बिसात भी काम नहीं आई। चुनावी विश्लेषकों का कहना था कि राजस्थान की बांसवाडा सभा से पहले ही भाजपा का पता चल गया था कि यहां पर हालत नाजुक है। ऐसे में वोटों के धुरवीकरण के लिए उसने आखिरी ब्रह्मास्त्र चलाया जो धर्म की राजनीति का था मगर यह काम नहीं आया। लोग चुनाव दर चुनाव यह समझ गए कि धर्म के आधार पर वोट देने के क्या नुकसान हैं। वागड़ में इस बार बीटीपी की जीत की एक और बड़ी वजह मालवीया का कांग्रेस छोड़कर आना भी रहा। अगर भाजपा अपना प्रत्याशी मैदान में उतारती तो भी उसे लाभ हो सकता था। राजकुमार रोत ऐन वक्त पर कांग्रेस से गठबंधन के बाद भी इसलिए जीत पाए क्योंकि उनका संगठन मजबूत था, कांग्रेस के कई धडे मालवीया को हराना चाहते थे और अंदरखाने मालवीया भितरघात का शिकार हो गए। कई भाजपाई गांठ बांध कर बैठे थे कि मालवीया को निपटना है। यदि मालवीया जीत गए तो उनकी राजनीतिक जमीन ही खत्म हो जाएगी। लोग याद दिला रहे हैं कि एक वीडिया वायरल हुआ था जिसमें मावलीया कहते नजर आ रहे थे कि जो राम के नाम पर वोट नहीं दे उसको...कह दो। मगर वह पैंतरा भी काम नहीं आया। दरअसल मालवीया ने भाजपा ज्वाइन तो की मगर वहां भी वे अकेली ही नजर आ रहे थे।

राजसमंद सीट पर भाजपा प्रत्याशी महिमा विश्वराज सिंह की जीत

कांग्रेस प्रत्याशी दामोदर गुर्जर को 3 लाख 92 हजार 223 वोटों से हराया

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद. राजसमंद लोकसभा सीट पर आज मतगणना शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई। मतगणना पूरी होने के बाद भाजपा प्रत्याशी महिमा कुमारी को 3 लाख 92 हजार 223 मतों से विजय घोषित किया गया। इस सीट पर भाजपा और कांग्रेस उम्मीदवार के बीच सीधा मुकाबला रहा। भाजपा प्रत्याशी को कुल 781203 वोट मिले। जबकि कांग्रेस प्रत्याशी दामोदर गुर्जर को 388980 वोट मिले। भाजपा की जीत के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ भंवर लाल ने महिमा कुमारी को निर्वाचन का सर्टिफिकेट दिया। राजसमंद लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी महिमा विश्वराज सिंह ने जीत के बाद विक्ट्री (V) साइन दिखाया। इस दौरान उनके पति और नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी समेत कई लोग मौजूद रहे। राजसमंद लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी महिमा विश्वराज सिंह की जीत हो गई है। जीत के बाद महिमा विश्वराज सिंह को जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. भंवरलाल ने जीत का सर्टिफिकेट दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर 50 हजार सीड बॉल्स का निःशुल्क वितरण आज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 4 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक पहल के तहत ग्लोबल वार्मिंग की वैश्विक समस्या से निबटने और पर्यावरण को हरा-भरा बनाने की दृष्टि से ऑर्गेनिक खेती व उत्पादों को समर्पित स्वयंसेवी संस्था ग्रामीण मदद काशी फाउंडेशन द्वारा 50 हज़ार सीड्स बॉल्स का बुधवार को निशुल्क वितरण किया जाएगा। फाउंडेशन की निदेशक सरोज पटेल ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से इस प्रोफाइल के तहत फाउंडेशन द्वारा सीड बॉल्स तैयार की गयी हैं और जिलेवासियों को निशुल्क वितरण की जाएगी । इस कार्य में फाउंडेशन को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और कृषि विज्ञान केंद्र का भी सहयोग मिला है। इन सीड बॉल्स में अमलतास, सीताफल, इमली, सिरस, मोरिंगा, जंगल जलेबी एवं अन्य वनस्पति बीजों का ईस्तमाल किया गया है। पटेल ने बताया कि सुबह कृषि विज्ञान केंद्र के साथ भीलो का बेदला की पहाड़ियों में 5000 सीड बॉल्स डाले जाएंगे एवं उसके बाद संस्थान के सहेली नगर कार्यालय में सुबह 10 बजे विशिष्ट अतिथि एडीजे एवं सदस्य सचिव (जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) कुलदीप शर्मा के मुख्य आतिथ्य में उदयपुर के पर्यावरण प्रेमियों में सीड बॉल्स का वितरण किया जाएगा। उन्होंने उदयपुरवासियों से आग्रह किया है कि इन सीड बॉल्स को निःशुल्क प्राप्त करें और जंगल अथवा किसी अच्छे खाली स्थान पर डाला जा सकता है ताकि मानसून दौरान पानी मिलने पर ये आसानी से उग सकें।

सीएम के गढ़ में कांग्रेस ने बीजेपी को दी पटखनी, जीत के बाद बोलीं संजना जाटव- जाट आरक्षण का मुद्दा संसद में उठाऊंगी

24 न्यूज अपडेट

भरतपुर. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह जिले भरतपुर में कांग्रेस प्रत्याशी संजना जाटव ने भाजपा के रामस्वरूप कोली को शिकस्त दे दी है. यहां से कांग्रेस की संजना जाटव को 51,983 मतों से जीत मिली है. हालांकि अभी जीत की आधिकारिक घोषणा होना बाकी है. जीत के बाद संजना जाटव ने ईटीवी भारत से विशेष बातचीत में कहा कि यह मेरी नहीं बल्कि जनता-जनार्दन की जीत है. पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मेहनत का प्रतिफल है. उन्होंने कहा कि अब वो जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगी. साथ ही भरतपुर लोकसभा क्षेत्र में चिकित्सा, शिक्षा और मूलभूत सुविधाओं के विकास व विस्तार का काम करेंगी. इतना ही नहीं लंबे समय से केंद्र में आरक्षण की मांग कर रहे भरतपुर-धौलपुर के जाटों के आरक्षण के मुद्दे को भी संसद में उठाएंगी ।

गरीब बेटी पर जताया विश्वास : चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस की संजना जाटव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने मुझ गरीब की बेटी पर विश्वास जता कर टिकट दिया था. यह चुनाव खुद कांग्रेस पार्टी, पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह, भंवर जितेंद्र सिंह और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं व कार्यकर्ताओं ने मिलकर लड़ा था ।

यह जीत सभी की जीत है, जनता की जीत है

मेवात के दम पर सजा ताज : जाटव ने कहा कि यह बात सही है कि मुझे भरतपुर लोकसभा के मेवात क्षेत्र कामां और नगर से बहुत अच्छी बढ़त मिली है, लेकिन साथ ही अन्य क्षेत्रों से भी हमें बढ़त मिली है. सभी के प्यार और सहयोग से ही यह जीत मिल पाई है.

भाजपा की हैट्रिक पर विराम : कांग्रेस प्रत्याशी संजना जाटव ने कुल 5,79,890 मत और भाजपा के रामस्वरूप कोली ने 5,27,907 मत प्राप्त किए हैं. इस तरह कांग्रेस की संजना जाटव ने 51,983 मतों से जीत दर्ज कर मुख्यमंत्री के गृह जिले में भाजपा के विजय रथ और जीत की हैट्रिक पर विराम लगा दिया. जीतने के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अमित यादव ने विजयी प्रत्याशी संजना जाटव को प्रमाण पत्र प्रदान किया. इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह भी मतगणना केंद्र पहुंचे और नवनिर्वाचित सांसद संजना जाटव को बधाई दी. साथ ही कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई दी ।

तीन प्रत्याशियों से ज्यादा नोटा को मिले वोट : लोकसभा चुनाव में भरतपुर सीट पर कुल 6 प्रत्याशी मैदान में थे. मतगणना पूरी होने के बाद तीन निर्दलीय प्रत्याशियों से ज्यादा वोट तो नोटा को मिले हैं. निर्दलीय प्रताशी अनीता को 5119 मत, पुरुषोत्तम लाल को 2747 मत और पुष्पेंद्र कुमार को 2386 मत मिले, जबकि नोटा को इन तीनों प्रत्याशियों से अधिक 5443 मत मिले. जबकि 868 वोट रिजेक्ट हुए ।

राजकुमार रोत बोले- भाजपा का धनबल-बाहुबल काम नहीं आया:अब संसद में उठाएंगे क्षेत्र के मुद्दे; निर्णायक बढ़त मिली; महेंद्रजीत मालवीया को पछाड़ा

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा/डूंगरपुर. बांसवाड़ा लोकसभा सीट से भारत आदिवासी पार्टी के प्रत्याशी राजकुमार रोत 188502 वोट से आगे हैं। उन्हें निर्णायक बढ़त मिल चुकी है। अब जीत की औपचारिक घोषणा बाकी है। रोत को 606196, भाजपा के महेंद्रजीत सिंह मालवीया को 417694 और कांग्रेस के अरविंद डामोर को 47874 वोट मिले। इस बार चुनावी मैदान में कांग्रेस से अरविंद डामोर, भाजपा से महेंद्रजीत सिंह मालवीया और भारत आदिवासी पार्टी के राजकुमार रोत के बीच त्रिकोणीय मुकाबला था। कांग्रेस से भाजपा में आए महेंद्रजीत सिंह मालवीय उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। कांग्रेस ने बीटीपी को समर्थन दिया था। ऐसे में अरविंद डामोर कांग्रेस के सिंबल पर मैदान में उतर गए। उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा।

24 न्यूज अपडेट

देश-दुनिया राज्यों एवं स्थानीय खबरें को देखने के लिए हिन्दी समाचार पत्र एवं न्यूज़ चैनल

ताजा खबरें देखने के लिए

हमारे यूट्यूब चैनल को सबस्क्राइब करें

YouTube

24 NEWS UPDATE

हमारे फेसबुक पेज को फॉलो करें

लिंक पर क्लिक करें और हमारे चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करें

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।